



## **IIM Raipur Hosts 2-Day Public Leadership Programme to Empower MLAs for Viksit Chhattisgarh 2047**

Editor's Synopsis:

- IIM Raipur concludes Public Leadership Programme designed for Chhattisgarh MLAs.
- The program spanned two days from March 22-23, 2025.
- The event was inaugurated by Vishnu Deo Sai, Hon'ble Chief Minister, Chhattisgarh.
- The inauguration day was also graced by Dr. Charandas Mahant, Hon'ble Leader of the Opposition, Dr. Raman Singh, Hon'ble Speaker of the Chhattisgarh Legislative Assembly, and Kedar Kashyap, Hon'ble Minister of Parliamentary Affairs.

### **Raipur, 23rd March 2025:**

Indian Institute of Management (IIM) Raipur, a leading institution recognized for #BuildingBusinessOwners, successfully concluded the two-day Public Leadership Programme, a pioneering initiative designed for Members of the Legislative Assembly (MLAs) from Chhattisgarh. The program was scheduled from March 22-23, 2025. This initiative aimed to enhance governance effectiveness and leadership skills, fostering a vision for a 'Viksit Chhattisgarh 2047.

The event was inaugurated by Chief Guest, Vishnu Deo Sai, Hon'ble Chief Minister, Chhattisgarh, along with Dr. Charandas Mahant, Hon'ble Leader of the Opposition, Dr. Raman Singh, Hon'ble Speaker of the Chhattisgarh Legislative Assembly, and Kedar Kashyap, Hon'ble Minister of Parliamentary Affairs.

Addressing the gathering, Vishnu Deo Sai, Hon'ble Chief Minister, Chhattisgarh, shared, "This Public Leadership Program is a strong platform for sharing new solutions and it will prove useful and meaningful in achieving the goal of developed Chhattisgarh 2047. If we have to take the state forward, then we have to be equally prepared to deal with all kinds of challenges. We need to emphasize on the proper use of technology in public interest. As a public representative, your behavior with the common people is the biggest asset and it will strengthen the trust of the people in you and the parliamentary system."

Dr. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, said, "At our institute, we believe in bridging the gap between education and administration. This programme is not limited to learning but also an opportunity to collaborate, exchange ideas and share innovative solutions to not only elevate the administrative standards of Chhattisgarh but also provide inspiration to other states. This programme is designed to provide a platform for decision making and capacity building based on strategic dialogue elements, which is an essential element to achieve the goal of Developed Chhattisgarh 2047."

Vidhan Sabha Speaker Dr. Raman Singh, while addressing the Leadership Program, said that all members actively participated in the Chhattisgarh Vidhan Sabha budget session for nearly a month, and their presence at this two-day event immediately afterward is commendable.

He stated, "You might be wondering why we need training after winning. After winning, our responsibilities and roles increase, which is why we must continue to learn. We should not work only for our respective constituencies but for the overall betterment of Chhattisgarh."



Dr. Charandas Mahant, Opposition Leader, shared, “It would be a wrong notion to think that we became leaders as soon as we became MLAs. Becoming a leader is a process and we have to learn it. A tribal son of Jashpur has become the Chief Minister today after overcoming difficult circumstances, this is the beauty and strength of our democracy. The main objective of all of us is the progress of Chhattisgarh and there is a need to move forward with this.”

On the second day, the Valedictory Session brought together esteemed dignitaries. Dr. Raman Singh, Hon. Speaker (CG), Dr. Charandas Mahant, Hon. LoP (CG), and Shri Kedar Kashyap, Hon. Minister of Parliamentary Affairs, shared their insights. Dr. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, addressed the gathering. Program Directors, Prof. Sanjeev Prashar and Prof. Sumeet Gupta, played key roles in the program’s success. Prof. Archana Parashar, Key Facilitator, also shared her perspective.

The two-day-long leadership program featured sessions delivered by highly experienced speakers on crucial topics, including Financial Planning and Budgeting, Public Life and Narratives, AI and Tech, Managing Media & Public Relations, the Duties & Responsibilities of Public Representatives, and Good Governance and Transforming Lives.



## आईआईएम रायपुर ने विधायकों के लिए आयोजित किया दो दिवसीय सार्वजनिक नेतृत्व कार्यक्रम

संपादक का सारांश:

- भा.प्र.सं. रायपुर ने छत्तीसगढ़ के विधायकों के लिए सार्वजनिक नेतृत्व कार्यक्रम का समापन किया।
- यह कार्यक्रम दो दिनों तक चला, 22 से 23 मार्च 2025 तक।
- इस आयोजन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया।
- उद्घाटन दिवस पर माननीय विपक्ष के नेता डॉ. चरणदास महंत, छत्तीसगढ़ विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, और माननीय संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

### रायपुर, 23 मार्च 2025:

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर ने छत्तीसगढ़ के विधायकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय सार्वजनिक नेतृत्व कार्यक्रम (Public Leadership Program) का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम 22 से 23 मार्च 2025 तक आयोजित हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य विधायकों की प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करना था, जिससे 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

कार्यक्रम का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। इस अवसर पर माननीय विपक्ष के नेता डॉ. चरणदास महंत, छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और माननीय संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा, "यह कार्यक्रम विधायकों के लिए एक सशक्त मंच है, जहाँ वे नए समाधान और विचार साझा कर सकते हैं। यदि हमें राज्य को आगे बढ़ाना है, तो हमें सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। एक जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के साथ संवाद और तकनीकी नवाचार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।"

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, "आप सोच सकते हैं कि चुनाव जीतने के बाद प्रशिक्षण की क्या आवश्यकता है, लेकिन जीत के साथ हमारी जिम्मेदारियाँ और भूमिकाएँ भी बढ़ जाती हैं। हमें सीखते रहना चाहिए और केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करना चाहिए।"

माननीय विपक्ष के नेता डॉ. चरणदास महंत ने कहा, "यह मान लेना गलत होगा कि विधायक बनने के साथ ही हम पूर्ण नेता बन जाते हैं। नेतृत्व एक सतत सीखने की प्रक्रिया है। कठिन परिस्थितियों से उभरकर जशपुर के एक आदिवासी पुत्र आज मुख्यमंत्री बने हैं, यही हमारे लोकतंत्र की शक्ति और सुंदरता है। हमें छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए मिलकर काम करना चाहिए।"

आईआईएम रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार काकानी ने कहा, "हम शिक्षा और प्रशासन के बीच की खाई को पाटने में विश्वास रखते हैं। यह कार्यक्रम केवल ज्ञान प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान और नवाचारी समाधानों को साझा करने का एक मंच भी है। इससे छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक उत्कृष्टता को नई ऊँचाइयों तक ले जाया जा सकता है। यह कार्यक्रम निर्णय लेने और रणनीतिक संवाद पर आधारित क्षमता निर्माण के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने का एक आवश्यक तत्व है।"

कार्यक्रम निदेशक, प्रो. संजीव प्रशर और प्रो. सुमीत गुप्ता ने इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि मुख्य संचालक प्रो. अर्चना पराशर ने भी अपने विचार साझा किए।



इस दो दिवसीय नेतृत्व कार्यक्रम में अनुभवी वक्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इनमें वित्तीय योजना और बजट, सार्वजनिक जीवन और कहानी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रौद्योगिकी, मीडिया और जनसंपर्क प्रबंधन, जनप्रतिनिधियों के कर्तव्य और ज़िम्मेदारियाँ, और सुशासन तथा जीवन में परिवर्तनकारी सुधार जैसे विषय शामिल थे।

कार्यक्रम के समापन सत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, माननीय विपक्ष के नेता डॉ. चरणदास महंत और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

---

### **भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के बारे में:**

स्थापना वर्ष 2010 में हुई, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर एक प्रमुख संस्थान है जो गतिशील नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने में अग्रणी है। यह अपने विद्यार्थियों को आवश्यक ज्ञान, अनुभव और महत्वपूर्ण संपर्कों से सशक्त बनाता है जिससे वे अपने व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हमारा संस्थान 65 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और 700 से अधिक होनहार विद्यार्थियों की शक्ति से समृद्ध है।

वर्ष 2024 में, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने महत्वपूर्ण रैंकिंग हासिल की, जिसमें शिक्षा मंत्रालय-एनआईआरएफ व्यवसाय रैंकिंग में 14वां स्थान, वर्ष 2023 में सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान, और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान प्राप्त किया। यह देश के सबसे तेजी से बढ़ते भारतीय प्रबंधन संस्थानों में से एक है।

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में स्थित, हमारा अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ अद्भुत रूप से समाहित करता है, जिससे यह एक अनूठा और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण बनाता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट [www.iimraipur.ac.in](http://www.iimraipur.ac.in) पर जाएँ।